यूको मासिकी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रधान कार्यालय की मासिक ई-पत्रिका

वर्ष - 4; अंक - 1

अप्रैल -मई, 2022

यूको बैंक UCO BANK

(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)

सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

यूको मासिकी : अप्रैल –मई, 2022

संरक्षण एवं प्रेरणा

सोमा शंकर प्रसाद

एमडी एवं सीईओ

इशराक अली खान

कार्यपालक निदेशक

दिग्दर्शन

नरेश कुमार एवं मनीष कुमार

महाप्रबंधक महाप्रबंधक

मा.सं.प्र., का.से., प्रशिक्षण एवं राजभाषा

संपादक

अमलशेखर करणसेठ

मुख्य प्रबंधक-राजभाषा एवं प्रभारी

सहयोग

डॉ. सुनील कुमार

वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

रोशनी सरकार साव

वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

आशीष शीतल बखला

प्रबंधक (राजभाषा)

अनुक्रम

विषय-वस्तु	पृष्ठ सं.
बैंकिंग वार्ता	3
कार्यपालक दौरा	4
माह के हिंदी साहित्यकार	5
माह के गुजराती साहित्यकार	6
माह के कन्नड़ साहित्यकार	7-8
स्वास्थ्यनामा	9-10
खेल-खेल में	11-12
गीत- संगीत	13
हमारा प्यारा यूको परिवार	15
कार्यक्रम की झलकियाँ	16-20
विदाई एवं सेवानिवृत्ति	22-23
आओ जीएं जिंदगी	24

प्रकाशन एवं संपर्क

यूको बैंक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय,

10, बीटीएम सरणी, कोलकाता - 700001

ई-मेल horajbhasha.calcutta@ucobank.co.in,

फोन - 033 4455 7384

यह पत्रिका आपको कैसी लगी ? कृपया ऊपर चिह्न पर क्लिक कर अपनी टिप्पणी अवश्य दें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

बैंकिंग वार्ता

भारतीय रिजर्व बैंक ने पुनर्खरीद (repo) दर में 40 आधार अंकों और आरक्षित नकदी निधि अनुपात (CRR) में 50 आधार अकों की वृद्धि की

भारतीय रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए अचानक एक कदम उठाकर पुनर्खरीद (repo) दर को तत्काल प्रभाव से 40 आधार अंक बढ़ाकर 4.40% कर दिया। इस वृद्धि को वैश्विक महामारी के कारण मई 2020 में की गई उस कटौती की वापसी के रूप में देखा जा रहा है जिसमें पुनर्खरीद दर को 40 आधार अंक कम कर दिया गया था। इसके फलस्वरूप स्थाई जमा सुविधा (SDP) और सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) दर को 4.15% और 4.65% पर समायोजित किया गया था। बैंकिंग प्रणाली से 87.000 करोड़ रूपए की चलनिधि को अवशोषित करने के उद्देश्य से आरक्षित नकदी निधि अनुपात (CRR) 50 आधार अंक बढ़ा कर 4.50 प्रतिशत कर दिया गया था। यह निर्णय 21 मई, 2022 से प्रारंभ होने वाले रिपोर्टिंग पखवाड़े से प्रभावी होगा।

मौद्रिक नीति की मुख्य बातें

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए मौद्रिक नीति समिति (MIPC) की पहली बैठक 6 अप्रैल से 8 अप्रैल 2022 तक आयोजित हुई। मौद्रिक नीति समिति की उक्त बैठक में लिए गए निर्णयों की मुख्य बातें निम्नानुसार है:

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वित्त वर्ष 2023 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में वृद्धि का पूर्वानुमान 7.87 से घटाकर 7.2% कर दिया गया।

मौद्रिक नीति के परिचालनात्मक ढांचे को समरूपता प्रदान करने के लिए 3.75% की दर से स्थायी जमा सुविधा की शुरुआत की गई।

वित्त वर्ष 2023 के लिए मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान को 4.5% से बढ़ाकर 5.7% कर दिया गया।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 24x7 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों की अनुमति देकर ग्राहक सुविधा में वृद्धि की

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अब बैंको को स्वतः सेवा एवं सहायताप्राप्त विधियों (modes) में 24x7 उत्पाद और सेवा प्रदान करने हेतु डिजिटल बैंकिंग इकाइयाँ (DBUs) खोलने की अनुमति प्रदान की गई है। ये डिजिटल बैंकिंग इकाइयाँ जो उत्पाद एवं सेवाएं प्रदान कर सकती है उनमें खाता खोलने, नकदी आहरण एवं जमा, अपने ग्राहक को जानिए अद्यतनकरण, ऋणों और शिकायत पंजीकरण का समावेश है। डिजिटल बैंकिंग में पूर्व अनुभव रखने वाले अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (SCBs) को टियर-1 से लेकर टियर-6 तक के केन्द्रों में डिजिटल बैंकिंग इकाइयां खोलने की अनुमति दी गई है।

सरकारी उधार को सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने एचटीएम सीमा बढ़ाई

भारतीय रिजर्व बैंक ने परिपक्वता तक धारित (HTM) सीमा बढ़ा दी है। वर्तमान में बढ़ाई गयी सीमा के तहत बैंकों को 1 अप्रैल 2022 और 31 मार्च 2023 के बीच की अवधि में अधिगृहीत पात्र सांविधिक चलनिधि अनुपात (SLR) प्रतिभूतियाँ शामिल करने की अनुमति प्रदान की गई है। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही से उक्त सीमा चरणों में घटनी प्रारम्भ होगी, जो 23% से घट कर 19.5% हो जाएगी। तदनुसार परिपक्वता तक धारित श्रेणी वाली सांविधिक चलनिधि अनुपात प्रतिभूतियाँ जून 2023 के अंत तक 22%, सितंबर 2023 के अंत तक 21%, दिसंबर 2023 के अंत तक 20% और मार्च 2024 के अंत तक 19.5% से अधिक नहीं होनी चाहिए।

कार्यपालक दौरा

अगरतला

मुंबई

चंडीगढ़

रायपुर

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी : एक परिचय

माह के हिंदी साहित्यकार

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी हिन्दी के महान साहित्यकार, पत्रकार एवं युगप्रवर्तक थे। उन्होंने हिंदी साहित्य की अविस्मरणीय सेवा की और अपने युग की साहित्यिक और सांस्कृतिक चेतना को दिशा और दृष्टि प्रदान की। उनके इस अतुलनीय योगदान के कारण आधुनिक हिंदी साहित्य का दूसरा युग 'द्विवेदी युग' (1900–1920) के नाम से जाना जाता है। **इसे** 'जागरण-सुधारकाल' भी कहा जाता है। उन्होंने सत्रह वर्ष तक हिन्दी की प्रसिद्ध पत्रिका सरस्वती का सम्पादन किया। हिन्दी नवजागरण में उनकी महान भूमिका रही। भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन को गति व दिशा देने में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा।

महावीर प्रसाद द्विवेदी का जन्म उत्तर प्रदेश के (बैसवारा) रायबरेली जिले के दौलतपुर गाँव में 15 मई 1864 को हुआ था। नौकरी के साथ-साथ द्विवेदी अध्ययन में भी जुटे रहे और हिंदी के अतिरिक्त मराठी, गुजराती, संस्कृत आदि का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया।

सन् 1903 में द्विवेदी जी ने सरस्वती मासिक पत्रिका के संपादन का कार्यभार सँभाला और उसे सत्रह वर्ष तक कुशलतापूर्वक निभाया। 1904 में नौकरी से त्यागपत्र देने के पश्चात स्थायी रूप से 'सरस्वती'के संपादन कार्य में लग गये। 21 दिसम्बर 1938 को रायबरेली में इनका स्वर्गवास हो गया

महावीरप्रसाद द्विवेदी हिन्दी के पहले लेखक थे, जिन्होंने केवल अपनी जातीय परंपरा का गहन अध्ययन ही नहीं किया था, बल्कि उसे आलोचकीय दृष्टि से भी देखा था। उन्होंने अनेक विधाओं में रचना की। कविता, कहानी, आलोचना, पुस्तक समीक्षा, अनुवाद, जीवनी आदि विधाओं के साथ उन्होंने अर्थशास्त्र, विज्ञान, इतिहास आदि अन्य अनुशासनों में न सिर्फ विपुल मात्रा में लिखा, बल्कि अन्य लेखकों को भी इस दिशा में लेखन के लिए प्रेरित किया। द्विवेदी जी केवल कविता, कहानी, आलोचना आदि को ही साहित्य मानने के विरुद्ध थे। वे अर्थशास्त्र, इतिहास, पुरातत्व, समाजशास्त्र आदि विषयों को भी साहित्य के ही दायरे में रखते थे। वस्तुतः स्वाधीनता, स्वदेशी और स्वावलंबन को गति देने वाले ज्ञान-विज्ञान के तमाम आधारों को वे आंदोलित करना चाहते थे।

उन्होंने वेदों से लेकर पंडितराज जगन्नाथ तक के संस्कृत-साहित्य की निरंतर प्रवाहमान धारा में अवगाहन किया था। उन्होंने श्रीहर्ष के संस्कृत महाकाव्य नैषधीयचरितम् पर अपनी पहली आलोचना पुस्तक 'नैषधचरित चर्चा ' नाम से लिखी (1899), जो संस्कृत-साहित्य पर हिन्दी में पहली आलोचना-पुस्तक भी है।

संस्कृत, ब्रजभाषा और खड़ी बोली में स्फुट काव्य-रचना से साहित्य-साधना का आरम्भ करने वाले महावीर प्रसाद द्विवेदी ने संस्कृत और अंग्रेजी से क्रमश: ब्रजभाषा और हिन्दी में अनुवाद-कार्य के अलावा प्रभूत समालोचनात्मक लेखन किया। उनकी मौलिक पुस्तकों में नाट्यशास्त्र(1904 ई.), विक्रमांकदेव चरितचर्या(1907 ई.), हिन्दी भाषा की उत्पत्ति(1907 ई.) और संपत्तिशास्त्र(1907 ई.) प्रमुख हैं तथा अनूदित पुस्तकों में शिक्षा (हर्बर्ट स्पेंसर के 'एजुकेशन' का अनुवाद, 1906 ई.) और स्वाधीनता (जान, स्टुअर्ट मिल के 'ऑन लिबर्टी' का अनुवाद, 1907 ई.)।

द्विवेदी जी ने विस्तृत रूप में साहित्य रचना की। इनके छोटे-बड़े ग्रंथों की संख्या कुल मिलाकर 81 है। पद्य के मौलिक-ग्रंथों में काव्य-मंजूषा, कविता कलाप, देवी-स्तुति, शतक आदि प्रमुख है। गंगालहरी, ऋतु तरंगिणी, कुमार संभव सार आदि इनके अनूदित पद्य-ग्रंथ हैं। गद्य के मौलिक ग्रंथों में तरुणोपदेश, नैषध चरित्र चर्चा, हिंदी कालिदास की समालोचना, नाटय शास्त्र, हिंदी भाषा की उत्पत्ति, कालीदास की निरंकुशता आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। अनुवादों में बेकन विचार, रत्नावली, हिंदी महाभारत, वेणी संसार आदि प्रमुख हैं।

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन कविता के बारे में जानने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें

पन्नालाल पटेल : एक परिचय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

माह के गुजराती साहित्यकार

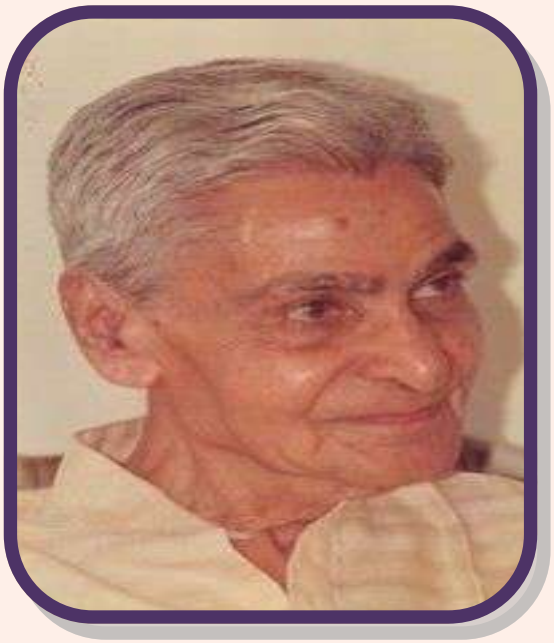

पन्नालाल पटेल गुजराती भाषा के जाने-माने साहित्यकार थे। उन्हें **'रणजितराम पुरस्कार'** तथा **'ज्ञानपीठ पुरस्कार'** से सम्मानित किया गया था। वे गुजराती के अग्रणी कथाकार रहे। लगभग छह दशक पूर्व गुजराती साहित्य जगत् में उनका अविर्भाव एक चमत्कार माना गया था। गुजराती साहित्यकार पन्नालाल पटेल का **जन्म 7 मई, 1912** को राजस्थान राज्य के डूंगरपुर ज़िले के मंडली नामक गाँव में हुआ था।

पन्नालाल पटेल ने अगणित लेखन कार्य और प्रकाशन कार्य किया, जिसमें उपन्यास, कहानियाँ, नाटक, जीवनी, बच्चों के साहित्य और विविध प्रकार के अन्य लेख भी शामिल हैं। उन्होंने 20 से अधिक लघु कहानी संग्रह लिखे, जैसे सुखदुखना साथी (1940) और वत्रकने कंठे (1952), और 20 से अधिक सामाजिक उपन्यास, जैसे कि मलेला जीव (1941), मानविनी भवई (जीवन एक नाटक)-1947 और भंग्याना भेरू (1957), और कई पौराणिक उपन्यास। उन्हें **1985 में मानविनी भवई** के लिए **ज्ञानपीठ पुरस्कार** मिला । उनकी कुछ रचनाओं को नाटकों और फिल्मों में भी रूपांतरित किया गया। उनके सहित्य का भारत की लगभग सभी भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। लगभग छह दशक पूर्व गुजराती साहित्य जगत् में पन्नालाल पटेल का अविर्भाव एक चमत्कार माना गया। ग्रामीण जीवन के आत्मीय एवं प्रामाणिक चित्रण के साथ ही उन्होंने लोकभाषा का प्रयोग कुछ इस प्रकार किया कि उसकी गति और गीतात्मकता गुजराती गद्य के सन्दर्भ में अपूर्व मानी गयी। पन्नालाल पटेल की सर्वोत्कृष्ट इक्कीस कहानियों की चयनिका **'गूँगे सुर बाँसुरी के'** के नाम से उपलब्ध है। इन कहानियों में उन्होंने प्रायः दलित, पीड़ित, उत्पीड़ित मनुष्य को अपना विषय बनाया है।

'जीवी' पन्नालाल पटेल के प्रसिद्ध उपन्यासों में से एक है। यह उपन्यास राजस्थान और गुजरात के सीमा-प्रदेशवर्ती एक गाँव पर आधारित है और इसमें आंचलिक उपन्यासों की परम्परा का नितान्त स्वाभाविक तथा अत्यन्त भव्य रूप देखने को मिलता है। इस उपन्यास के साल-सवा साल के कथा-काल में ग्राम्य-जीवन की सरलता, निश्छलता, अन्ध-विश्वास और बात पर मर मिटने की वृत्ति पग-पग पर प्रकट होती है। भाषा ठेठ ग्रामीण है, जिसमें लेखक ने अनेक बहुमूल्य अनुभव सूक्तियों के रूप में पिरो दिए हैं। लेखक का कथाशिल्प अद्वितीय है। मेले से ही उपन्यास का आरम्भ होता है और मेले से ही अन्त।

पन्नालाल पटेल की मृत्यु 5 अप्रैल सन 1989 को अहमदाबाद, गुजरात में हुई।

पन्नालाल पटेल के बारे में जानने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें

ಸರ್ವಜ್ಞನ ವಚನಗಳು. – सर्वज्ञाना वचनगलू- सर्वज्ञ के वचन

कन्नड़ भाषा के दार्शनिक कवि सर्वजन 16 वीं शताब्दी में जन्मे थे| संस्कृत में "सर्वज्ञ " शब्द का शाब्दिक अर्थ है "सभी जानना"। वे त्रिपदी नामक अपनी पिथरी तीन-पंक्ति वाली कविताओं के लिए प्रसिद्ध हैं| मूल कविता रूपी वचनों को तीन-पंक्ति में पदबद्ध किया गया है| उन्हें आधुनिक अनुवाद में "सर्वज्ञ" भी कहा जाता है।

सर्वज्ञ के जीवन की अवधि को सटीक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है, और उनके निजी जीवन के बारे में बहुत कम ज्ञात है। उनकी साहित्यिक शैली के अध्ययन और बाद के लेखकों के संदर्भों के आधार पर, इतिहासकारों का अनुमान है कि उनका जीवन काल 16 वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध का हो सकता है |

उनके कार्यों में कुछ संदर्भ बताते हैं कि उनका असली नाम पुष्पदत्त था - सर्वजन उनका छद्म नाम था । उनकी कविताओं से प्राप्त जानकारी से इतिहासकारों का मानना है कि उनके पिता, शैव ब्राह्मण, कर्नाटक राज्य के वर्तमान हावेरी जिले में वास करते थे | सर्वजन ने अपनी कविताओं में ग्रामीण इलाकों में देहाती जीवन में निहित सादगी को आत्मसात करते हुये ग्रामीणों को अंधविश्वास, अर्थहीन रीति-रिवाजों और परंपराओं को छोड़ने के लिए प्रेरित की |

उदाहरण :	अर्थ
1. ಮೂರ್ಖಂಗೆ ಬುದ್ಧಿಯನು ನೂರ್ಕಾಲ ಹೇಳಿದರು ಗೋರ್ಕಲ್ಲುಮೇಲೆ ಮಳೆಗರೆದರೆ, ಆಕಲ್ಲು ನೀರ್ಕುಡಿವುದೇ ಸರ್ವಜ್ಞ? *मूर्खंगे बुद्धियनु नूर्काल हेळिदरु* *गोर्कल्लमेले मळेगरेदरे, आकल्लु* *नीर्कुडिवुदे सर्वज्ञ?*	जिस प्रकार चट्टान पर भारी बारिश होने पर भी उसमें पानी सोंखने की शक्ति नहीं होती उसी प्रकार मूर्खों को सौ साल तक भी उपदेश या सलाह देना बेकार होता है | Giving advice to a fool for hundred years is as useless as a heavy rain pouring on a stone. The stone never drinks the water.
2. ಸಾಲವನು ಕೊಂಬಾಗ ಹಾಲೋಗರುಂಡಂತೆ ಸಾಲಿಗರು ಕೊಂಡು ಎಳೆವಾಗ, ಕಿಬ್ಬದಿಯ ಕೀಲು ಮುರಿದಂತೆ ಸರ್ವಜ್ಞ. **सालवनु कोंबाग हालोगरुंडंते** **सालिगरु कोंडु ऐळेवाग, किब्बदिय** **कीलु मुरिदंते सर्वज्ञ**	जब व्यक्ति ऋण प्राप्त करता है तो उसे मिष्ठान्न खाने की अनुभूति होती है परंतु जब भुगतान का वक्त आता है तो ऐसा दर्द महसूस होने लगता है मानो पसलियाँ टूट गई हों | Sweet as milk and nectar it is to get a loan ..but when the creditor comes after you, ..its painful as a broken ribcage"

उदाहरण :	अर्थ
3. ಮನಸು ಇಲ್ಲದೆ ದೇವಸ್ಥಾನ ಸುತ್ತಿದಲ್ಲಿ ಫಲವೇನು ಎತ್ತು ಗಾಣವನು ಹೊತ್ತು ತಾ ನಿತ್ಯ ವಾಗಿ ಸುತ್ತಿ ಬಂದಂತೆ ಸರ್ವಜ್ಞ **चित्तविल्लदे गुडिय सुत्तिदरे फलवेनु?** **ऐत्तु गाणव होत्तु नित्यदलि** **सुत्ति बंदंते सर्वज्ञ**	ईश्वर के प्रति समर्पण और भक्ति के बिना मंदिर के चारों ओर घूमना एक मिल के चारों ओर घूमते हुए एक कोल्हू के बैल की तरह बेकार है। Circling around the temple without devotion without dedication is as useless as an ox circling around a mill.
4. ಜಾತಿ ಹೀನನ ಮನೆಯ ಜ್ಯೋತಿತಾ ಹೀನವೇ ? ಜಾತಿ - ವಿಜಾತಿ ಏನಬೇಡ , ದೇವನೊಲಿ ದಾತದೆ ಜಾತಾ , ಸರ್ವಜ್ಞ **जाति हीनन मनेय ज्योतिता हीनवे ?** **जाति - विजाति एनबेड , देवनोलि** **दातदे जाता , सर्वज्ञ**	जिस प्रकार रोशनी हर घर में उजाला करती है और मनुष्य की जाती पर भेदभाव नहीं करती उसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति को ईश्वर का वरदान प्राप्त है तो वह वंदनीय है। Just as light does not show discrimination in entering any house. Its glow is same whether it belongs to a person of low caste or high caste. Similarly irrespective of any caste, if he has been blessed by god, consider him a nobleman.
5.ಮುನಿದಂಗೆ ಮುನಿಯದಿರು , ಕಿನಿವಂಗೆ ಕಿನಿಯದಿರು ಮನಸಿಜಾರಿಯನು ಮರೆಯದಿರು , ಶಿವಕೃಪೆಯು ಘನಕೆ ಘನವಕ್ಕು , ಸರ್ವಜ್ಞ **मुनिदंगे मुनियदिरु , किनिवंगे किनियदिरु** **मनसिजारियनु मरेयदिरु , शिवकृपेयु** **घनके घनवक्कु , सर्वज्ञ**	किसी की नाराजगी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने से अच्छा है कि शांतिपूर्वक मामले को सुलझाएँ। Even if someone is angry on you, don't get angry. Even if someone tries to quarrel with you, don't quarrel. With them always be friendly and cheerful. Only then you will be peaceful and happy.

प्रस्तोता : श्रीमती उषा भरत
सेवानिवृत्त राजभाषा अधिकारी, यूको बैंक

गर्मी के मौसम में विशेष फल: आम

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आम एक प्रकार का रसीला फल होता है। इसे भारत में फलों का राजा भी बोलते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम *मेंगीफेरा इंडिका* है। आमों की प्रजाति को *मेंगीफेरा* कहा जाता है। इस फल की प्रजाति पहले केवल भारतीय उपमहाद्वीप में मिलती थी, इसके बाद धीरे धीरे अन्य देशों में फैलने लगी। इसका सबसे अधिक उत्पादन भारत में होता है। यह भारत, पाकिस्तान और फिलीपींस में राष्ट्रीय फल माना जाता है और बांग्लादेश में इसके पेड़ को राष्ट्रीय पेड़ का दर्जा प्राप्त है| यह ब्राजील, मैक्सिको, सोमालिया इत्यादि देशों में भी पाया जाता है।

आम एक बीज युक्त रसदार फल होता है। इसमें भरपुर मात्रा में मिनरल्स उपलब्ध रहता है जो हमें स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं।

आम मूलत: एक मीठा फल होता है, इसकी पत्तियां नुकीली और लम्बी होती है। दुनिया में आम की लगभग 400 प्रजातियां पाई जाती है। ये नारंगी, लाल और हरे रंगों में पाया जाता है। इसको विभिन्न मौसम में अलग-अलग नामों से जाना जाता है जैसे बम्बइया, मालदा, लंगड़ा, राजापुरी, सुंदरी, अलफोंसो, दशहरी, जार्दालू, गुलाब खास, रुमानी, फजली आदि। मौसम के साथ-साथ इनके स्वाद में भी हल्का सा परिवर्तन आने लगता है।

आम के प्रकार :

- अल्फांसो – महाराष्ट्र के रत्नागिरी में उत्पन्न होता है।
- हिमसागर – पश्चिम बंगाल में उत्पन्न होने वाला आम।
- बंगनपल्ली – आंध्र प्रदेश में उत्पन्न होने वाला आम।
- दसेहरी – लखनऊ और मलिहाबाद में होने वाला आम।
- बादामी – कर्नाटक में उत्पन्न होने वाला आम। इसे कर्नाटक का अल्फांसो भी कहा जाता है।
- केसर – गुजरात के सौराष्ट्र में उत्पन्न होने वाला आम।
  तोतापुरी – आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक में उत्पन्न होने वाला आम।
- लंगड़ा – वाराणसी, उत्तर प्रदेश में उगाया जाने वाला आम।
- मनकुरद और मुसरद – यह आम गोवा में पाया जाता है।
- मालदा – इसकी खेती बिहार के दीघा में होती है।
- जर्दालू – यह भी बिहार में पाया जाने वाला आम है।
- नीलम—यह आम हैदराबाद में पाया जाता है।

आम के कुछ विशेष फायदे:

- आम में विटामिन ए और विटामिन सी प्रचूर मात्रा में पाए जाते है इसमें बहुत सारे फाइबर भी मिलते है। इसलिए आम खाना सेहत के लिए लाभदायक होता है।
- आम को खाने से खून की कमी से भी बचा जा सकता है। इसमें साईट्रिक एसिड भी पाया जाता है जिस वजह से यह पाचन तंत्र को ठीक रखने में सहायक होता है। अगर हर दिन एक आम को खाया जाए तो यह कब्ज और पाइल्स जैसी बिमारियों को रोकने में भी मदद करता है। आम में डायजेस्टिव एंजाइम्स होते हैं. जो बड़े बड़े फूड मोलेक्यूल्स को छोटे छोटे टुकडों में बांट देते हैं। इससे हमारा शरीर आसानी से उसे ऑब्जर्व कर लेता है। इसके अलावा आम में पानी और फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है, जो अपच, डायरिया को नियंत्रित करने में मददगार होता है।
- खाद्य विज्ञान और खाद्य सुरक्षा के व्यापक समीक्षा के अध्ययन और रिसर्च में यह बात सामने आई है कि आम में मौजूद फाईबर रोगों से लड़ने वाली प्रतिरोधी क्षमता का भी विकास करती है जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होती है। यह कैंसर जैसी घातक बीमारियों से बचाता हैं।
- इसके सेवन से हृदय की स्थिति को ठीक रखने के साथ-साथ किडनी की बीमारियों को भी दूर रखने की क्षमता होती है। आम में ग्लुटामिन नामक एसिड पाया जाता है जो याद करने की क्षमता को भी बढ़ता है। आम में विटामिन ए, बी, के, इ के अलावा मैग्नेशियम भी मिलता है। आम को खाने से शरीर में रोगों से लड़ने वाले शक्ति विकसित होती है।
- आम में विटामिन सी और विटामिन ए होता है, जो त्वचा की सेहत के लिए बहुत ही अच्छा होता है, साथ ही साथ आंखों के लिए भी फायदेमंद है। सही मात्रा में रोजाना आम खाने से कुछ दिनों में त्वचा से दाग धब्बे खत्म हो जाते हैं।
- कच्चा आम आपके शरीर में पानी की कमी को पूरी करता है। जिसके कारण हमारी पाचन क्रिया अच्छी रहती है। इसमें एक प्रकार का एसिड होता है जो आपको गर्मी में पाचन संबंधी समस्याओं से निजात दिला सकता है। जैसे लू से बचाने में, शुगर लेवल को कंट्रोल करने में, एसिडिटी आदि। इसका सेवन करना गर्मी में काफी फायदेमंद होता है।
- आम खाने से वजन बढ़ता है लेकिन इसकी मदद से वजन घटाया भी जा सकता है। दरअसल, आम के छिलके में फाइटोकेमिकल होता है, जो प्राकृतिक रूप से फैट बर्नर होता है अर्थात शरीर की वसा को जलाने वाला होता है। आम में डायट्री फाइबर होता है, जो आपको पेट भरने का एहसास दिलाता है। जब आप हाई फाइबर फल या सब्जी खाते हैं तो आपको देर तक भूख नहीं लगती, जो आपको बार-बार खाने से रोकता है।
- खाना खाने के बाद पके हुए आम (लगभग 100 ग्राम) के साथ एक गिलास ठंडा दूध पीने से अच्छी नींद आती है।
- रोजाना एक कप कटा हुआ आम खाने से विटामिन ए का डोज पूरा होता है। यह विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर भी होता है। इसके अलावा, कॉपर, फोलेट, विटामिन ई और विटामिन बी जैसे विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं, इनसे हमारी इम्युनिटी बढती है।

आम के फायदे देखने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें ⟶

खेल खेल में

1. भारतीय रेल में तृतीय श्रेणी किस वर्ष समाप्त कर किया गया?
क) 1978 ख) 1974 ग) 1972 घ) 1976

2. 'कोमोडो ड्रैगन' किस देश का राष्ट्रीय पशु है ?
क)चीन ख) वियतनाम ग) इंडोनेशिया घ) जापान

3. प्रसिद्ध उपन्यास 'देवदास' के रचनाकार कौन हैं ?
क)मुंशी प्रेमचंद ख) शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ग) बिमल चन्द्र दास घ) बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

4. भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थापना कब हुई ?
क)1 अप्रैल 1945 ख) 1 जनवरी 1935 ग) 1 जनवरी 1945 घ) 1 अप्रैल 1935

5. हॉलीवुड की प्रसिद्ध चलचित्र "मि. बीन" में शीर्षक पात्र निभाने वाले विश्वप्रसिद्ध अभिनेता हैं
क)रॉन एटकिन्सन ख) मेल गिब्सन ग) जिम कैरी घ) शीन बीन

6. भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (IBBI) के अध्यक्ष हैं –
क)डॉ एम.एस. साहू ख) श्री सुधाकर शुक्ला ग) श्री रवि मित्तल घ) श्री टी. वी.मोहनदास पाई

7. आई पी. एल. 2022 में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का खिताब किस खिलाड़ी ने जीता है ?
क) के.एल.राहुल ख) क्विंटन डी कॉक ग) जोस बटलर घ) हार्दिक पांड्या

8. 'रेड डेटा बुक' में क्या है ?
क)ज्योतिष ख) लुप्तप्राय जंगल ग) लुप्त होती वनस्पति और जीव प्रजातियाँ ग) चूककर्ताओं की सूची

9. यूरोप का शहर 'कीव' निम्नलिखित में से किस देश की राजधानी है ?
क)बोस्निया ख) युक्रेन ग) सर्बिया घ) स्लोवेनिया

10. बहुचर्चित फिल्म 'मुजीब - द मेकिंग ऑफ़ ए नेशन' के निर्देशक हैं –
क)राजकुमार हिरानी ख) मीरा नायर ग) श्याम बेनेगल घ) संजय लीला भंसाली

11. फ़्रांस की नवनियुक्त प्रधानमंत्री का नाम क्या है ?
क)ब्रिजिट मैकरॉन ख) गाब्रिएल बोरिक फॉन्ट ग) सन्ना मरीन घ) एलिजाबेथ बोर्न

12. दिनांक 8 जून 2022 के आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में 0.5% वृद्धि की है जिसके बाद लागू नई रेपो रेट निम्नलिखित हो गई है –
क)4.90% ख) 4.40% ग) 4.60% घ) 4.80%

खेल खेल में

आज़ादी का अमृत महोत्सव

13. जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस जिसके अभियान में नारा दिया गया – 'केवल एक पृथ्वी' की मेजबानी किस देश ने किया ?

क)स्वीडन ख) फ़िनलैंड ग) स्विट्ज़रलैंड ग) जर्मनी

14. हाथी की सूढ़ में कितनी हड्डियाँ होती हैं ?

क)11 ख) 6 ग) 0 घ) 1

15. टूम्ब ऑफ़ सैंड (Tomb of Sand) पुस्तक का रचनाकार कौन है ?

क)चेतन भगत ख) शशि थरूर ग) गीतांजली श्री घ) अरुंधती रॉय

16. यदि कोई शाखा/कार्यालय भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित है इसका अर्थ है कि उस शाखा/कार्यालय के ----- कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है ?

क)80% ख) 100% ग) 50% घ) 75%

17. निम्नलिखित में विश्व का सबसे कम जनसंख्या वाला देश कौन है ?

क)नॉरू ख) मोनाको ग) वैटिकन सिटी घ) बरमुडा

18. भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग धोखाधड़ी को रोकने के लिए 'पोजिटिव पे सिस्टम' लागू किया है जिसके अंतर्गत ------ मूल्य से अधिक के चेक के भुगतान के पूर्व बैंक ग्राहक से संपर्क स्थापित करती हैं।

क)1,00,000 रुपये ख) 50,000 रूपये ग) 20,000 रुपये घ) 10,000 रुपये

19. निम्नलिखित शब्दों में से 'मयंक' शब्द का पर्यायवाची क्या है ?

क) चंद्रमा ख) सूरज ग) पवन घ) नयन

20. प्रतिवर्ष 2अक्तूबर को निम्नलिखित में से किस महान विभूति का जन्म दिवस मनाया जाता है?

क) लाला लाजपत राय ख) डॉ राजेन्द्र प्रसाद ग) लाल बहादुर शास्त्री घ) इनमें से कोई नहीं

\+ + +

यूको मासिकी के इस अंक से 'खेल खेल मे' शीर्षक नाम से एक नया स्तम्भ शुरू किया जा रहा है। निम्नलिखित लिंक के माध्यम से उपर्युक्त प्रश्नोत्तरी का समाधान करें। हमारे अगले अंक में शीर्ष 50 के नाम पत्रिका में प्रकाशित किए जाएंगे।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

गीत- संगीत

बंगला लोकगीत

बाउल एक प्रकार का लोक (फोक) गायन है, इसका गायन करने वाले को बंगाल में बाउल कहते हैं। उत्तर-प्रदेश में इसे फकीर या जोगी भी कहा जाता है। सामान्य तौर पर आउल, बाउल, फकीर, साई, दरबेस, जोगी एवं भाट बाउल के ही रूप है। इन सभी में एक समानता होती है कि ये ईश्वर की भक्ति में इस तरह लीन होते हैं कि इन्हें बाउल पागल भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसकी शुरुवात बंगलादेश से हुई। वहाँ इसे बाउल या पागल कहा जाता है। बाउल विश्वव्यापी है। बाउल का रहन-सहन, पहनावा एवं जीवन व्यतीत करने का तरीका वैष्णव धर्म के बहुत करीब होता है। ज्यादातर बाउल वैष्णव धर्म का पालन करते है। वैश्णव धर्म में पुरुष वैश्णव एवं स्त्री को वैष्णवी कहते हैं।

बंगला लोकगीत सुनने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें।

झारखंड लोकगीत

मधु मंसूरी हंसमुख झारखंड के प्रसिद्ध गायक हैं। उन्होंने कई नागपुरी (*झारखण्ड की स्थानीय भाषा*) गीत लिखा और गाया है। 1948 ई में जन्मे हंसमुख आठ वर्ष की छोटी उम्र से ही गीत रच रहे हैं और अपनी सुरीली आवाज में उन्हें सुर दे रहे हैं। स्वभाव से भी हंसमुख न केवल सुरीली आवाज के धनी हैं बल्कि एक भाव प्रवीण कवि भी हैं। झारखंड की प्राकृतिक सौंदर्य, विभिन्न समाजों की समरसता और विस्थापन जैसी समकालीन सामाजिक समस्या का बखान उनके गीतों की पहचान मानी जाती है। उनके कई गीत हैं जो प्रत्येक झारखंड वासी के हृदय का एक अंग की तरह हैं। नागपुर कर कोरा उनकी सबसे प्रसिद्ध गीतों में से एक है। उनके अविस्मरणीय प्रतिभा के लिए 2011 में झारखंड सरकार ने उन्हें झारखंड रत्न का सम्मान दिया। भारत सरकार ने भी उन्हें सम्मानित करते हुए 2020 में पद्मश्री से नवाजा है।

झारखंड लोकगीत सुनने के लिए वीडियो चिह्न पर क्लिक करें।

हमारा प्यारा यूको परिवार

श्री प्रदीप आनंद केसरी
अंचल प्रमुख, देहरादून अंचल

श्री प्रदीप आनंद केसरी, अंचल प्रमुख, देहरादून की बेटी **सुश्री अहाना केशरी** 11 साल की है। अहना देहरादून के दून इंटरनेशनल स्कूल में छठी कक्षा में पढ़ती हैं।

उसे नृत्य करना बेहद पसंद है। उसक अपना **एंजेल अहाना** नाम के एक यू ट्यूब चैनल है जिसके एक हज़ार से अधिक प्रशंसक हैं। वह इस यूट्यूब चैनल पर अपने नृत्य वीडियो पोस्ट करती है।

वीडियो को देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें

सभी यूकोजनों से अनुरोध है कि यूको मासिकी (मासिक पत्रिका) के आगामी अंक के **हमारा प्यारा यूको परिवार** स्तम्भ के लिए अपने परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा बनाए गए चित्रकारी, गीत, नृत्य आदि से संबंधित कलाकारी के वीडियो, चित्र या लिंक हमें प्रेषित करें। संबंधित वीडियो, लिंक चित्र आदि निम्नलिखित ई-मेल आईडी को ही भेजें।

horajbhasha.calcutta@ucobank.co.in

अखिल भारतीय सेमिनार में यूको बैंक की सहभागिता

बैंकिंग जगत में जिस तरह से डिजिटल बैंकिंग का उतरोत्तर विकास हो रहा है, साइबर अपराध की गतिविधियां भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। तकनीक के माध्यम से हमें जितनी सुविधाएँ आसानी से मिल जाती हैं, उसके कुछ परिणाम भी विपरीत होते हैं। यानी आसानी से मिलने वाली सुविधाओं के प्रति हमें सचेत व जागृत रहने की आवश्यकता होती है।

बैंकिंग में सायबर अपराध की घटित हो रही घटनाओं को रोकने के उद्देश्य में "बैंकिंग में सायबर अपराध" विषय पर बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा 7 मार्च, 2022 को मैसूर में अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इससे संबंधित दो विषयों पर सार्थक चर्चा हुई:- बैंकिंग में सायबर अपराधों के स्वरूप एवं सुरक्षात्मक उपाय तथा भारत में सायबर कानून : प्रभावशीलता एवं सुधारों की आवश्यकता।

उल्लिखित विषयों पर विभिन्न बैंकों, बीमा कंपनियों एवं वित्तीय संस्थाओं के स्टॉफ सदस्यों ने भाग लिया। उक्त सेमिनार में यूको बैंक की ओर से चार प्रतिभागियों यथा श्री अविनाश शुक्ला, श्री प्रदीप गुप्ता, सुश्री पूनम कुमारी और श्री सुनील कुमार का चयन किया गया। यूको बैंक प्रधान कार्यालय की ओर से विशेष रूप से आमंत्रित उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) श्री अविनाश शुक्ला ने बैंकिंग में साइबर अपराध विषय पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विशेष प्रस्तुति दी।

लीला हिंदी प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान द्वारा हिंदीतर भाषा-भाषियों को राजभाषा हिंदी में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से सी-डैक पुणे द्वारा ऑनलाइन लीला हिंदी प्रवाह पाठ्यक्रम पैकेज तैयार किया गया है। लीला पैकेज से अंग्रेजी तथा 14 अन्य भारतीय भाषा यथा असमिया, बोड़ो, बांग्ला, गुजराती, कन्नड, कश्मीरी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, तमिल एवं तेलुगू के माध्यम से हिंदी सीख सकते हैं।

इस संबंध में विशेष जानकारी के लिए कृपया नीचे क्यूआर कोड को स्कैन/ क्लिक करें :

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा देहरादून में दिनांक 17.05.2022 को विभिन्न कार्यालयों के साथ-साथ यूको बैंक रुद्रप्रयाग शाखा का सफलतापूर्वक निरीक्षण किया गया। श्री मनीष कुमार, महाप्रबंधक (मा.सं.प्र. एवं राजभाषा) एवं शाखा प्रमुख को संसदीय राजभाषा समिति

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप-समिति द्वारा नई दिल्ली में दिनांक 28.04.2022 को विभिन्न कार्यालयों के साथ-साथ यूको बैंक, पानीपत शाखा का सफलतापूर्वक निरीक्षण किया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा अंचल कार्यालयों एवं शाखाओं को प्राप्त पुरस्कार

अंचल कार्यालय करनाल को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, करनाल द्वारा राजभाषा शील्ड - प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अंचल कार्यालय हैदराबाद को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद द्वारा राजभाषा शील्ड- प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इलाहबाद मुख्य शाखा को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति प्रयागराज द्वारा प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गाजियाबाद शाखा, नई दिल्ली अंचल को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गाजियाबाद द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अंचल कार्यालय, रायपुर को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर द्वारा प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रूपनगर शाखा, चंडीगढ़ अंचल को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रूपनगर द्वारा प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अंचल कार्यालय, कानपुर को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कानपुर द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 30.04.2022 को यूको बैंक, प्रधान कार्यालय, राजभाषा विभाग का राजभाषायी निरीक्षण

वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा दिनांक 30.04.2022 को यूको बैंक, प्रधान कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में प्रधान कार्यालय के कार्यपालकों के लिए 'राजभाषा कार्यान्वयन- कार्यपालकों की भूमिका' पर राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग से श्री भीम सिंह, उप निदेशक (राजभाषा) उपस्थित थे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोलकाता(बैंक) के सदस्य कार्यालयों के राजभाषा अधिकारियों के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 की पहली बैठक दिनांक 12.04.2022 को कोलकाता जीपीओ में स्थित पार्सेल कैफे में आयोजित हुई।

पार्सेल कैफे

कोलकाता में देश का यह पहला पार्सेल कैफे है जो कि डाक टिकट जारी करने वाली संस्था द्वारा नयी पहल की गयी है। इसमें पार्सेल बुकिंग काउंटर भी रखा गया है। यहाँ डाक टिकटों का इतिहास अलग-अलग तस्वीरों में प्रदर्शित किया गया है।

हिंदी पत्रकारिता पर राष्ट्रीय सम्मेलन

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कार्यक्रम की झलकियां

30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर कोलकाता के छपते-छपते समाचार पत्र द्वारा पत्रकारिता पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. हरिवंश, उपाध्यक्ष, राज्य सभा के साथ-साथ यूको बैंक से श्री नरेश कुमार, महाप्रबंधक उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में यूको बैंक ने 1 लाख रुपये का सहयोग दिया।

यूको मासिकी के पिछले कुछ अंक

यूको मासिकी के पिछले अंक को देखने के लिए नीचे दिये गए पुस्तक के चिह्न पर क्लिक कर उन्हें देख सकते हैं।

जनवरी– फरवरी 2022

दिसंबर 2021

अक्तूबर- नवंबर 2022

यूको मासिकी के इस अंक का आकर्षण

जहां-जहां ये चिह्न दिए गए हैं, उन्हें क्लिक कर आप संबंधित लिंक खोल सकते हैं।

इस चिह्न को क्लिक करने से आप संबंधित वीडिओ देख पाएंगे	इस चिह्न को क्लिक करने से आप हमारे व्हाट्स एप्प से जुड़ जाएंगे	इस चिह्न को स्कैन करने से आप संबंधित जानकारी प्राप्त कर पाएंगे	इस चिह्न को क्लिक करने से आप संबंधित पुस्तक पढ़ पाएंगे

"यूको मासिकी/यूको संगम/अनुगूँज" में प्रकाशनार्थ सामग्री आमंत्रित है"

सभी यूकोजनों से अनुरोध है कि "यूको मासिकी/यूको संगम/अनुगूँज" के आगामी अंक के लिए सामग्री हमें प्रेषित करें। यह सामग्री शाखा/कार्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों/बैठकों आदि के फोटोग्राफ एवं एक संक्षिप्त रिपोर्ट, ज्ञानवर्धक लेख, बैंक के उत्पाद एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित लेख, ग्राहक एवं स्टाफ की सफलता की कहानी, शाखा की सफलता की कहानी आदि के रूप में भेज सकते हैं।

पाठकगण प्रकाशनार्थ सामग्री अपने व्यक्तिगत विवरण एवं एक पासपोर्ट आकार की फोटो के साथ **horajbhasha.calcutta@ucobank.co.in** पर प्रेषित करें।

प्रधान कार्यालय में अप्रैल एवं मई 2022 में विदाई/ सेवानिवृत्ति

आज़ादी का अमृत महोत्सव

श्री अजय कुमार व्यास, कार्यपालक निदेशक, प्रधान कार्यालय को राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा भावपूर्ण विदाई

श्री अजय कुमार व्यास, कार्यपालक निदेशक, प्रधान कार्यालय को नराकास(बैंक), कोलकाता द्वारा भावपूर्ण विदाई

श्री प्रफुल्ल बर्मन, सहायक महाप्रबंधक, कार्मिक सेवा विभाग, प्रधान कार्यालय को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए हमारे एमडी एवं सीईओ श्री सोमा शंकर प्रसाद एवं महाप्रबंधक श्री नरेश कुमार

श्री हरमोहन कुमार अरोड़ा, महाप्रबंधक, प्रधान कार्यालय को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए हमारे एमडी एवं सीईओ श्री सोमा शंकर प्रसाद एवं महाप्रबंधक श्री नरेश कुमार एवं श्री मनीष कुमार

अंचल में अप्रैल एवं मई 2022 में सेवानिवृत्त

श्री प्रभात पाठक , दफ्तरी, पुरुलिया शाखा, दुर्गापुर अंचल को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए शाखा के स्टाफ सदस्यगण

श्री टी.सी.पुनिया, सहायक महाप्रबंधक, ए.एम.बी शाखा, नई दिल्ली को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए शाखा के स्टाफ सदस्यगण

श्री गिरीश कुमार बाल्मीकी, एसडब्ल्यूओ ए, नगर निगम अलीगढ़ शाखा, मेरठ अंचल को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए शाखा के स्टाफ सदस्यगण

श्री आरजी मीना , लिपिक, बसवा शाखा, जयपुर को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए शाखा के स्टाफ सदस्यगण

श्री राम नाथ जोशी, विशेष सहायक, हाईकोर्ट रोड, ग्वालियर शाखा, भोपाल अंचल को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए शाखा के स्टाफ सदस्यगण

श्री के सी पूर्बिया, प्रधान खजांची II, लहरी का बास शाखा, जयपुर को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावपूर्ण विदाई देते हुए शाखा के स्टाफ सदस्यगण

आओ जीएं जिंदगी

कल्पना सरोज का जन्म महाराष्ट्र के अकोला जिले के छोटे से गांव रोपरखेड़ा में हुआ था। उसका परिवार काफी गरीब था। घर का खर्चा भी बहुत मुश्किल से चलता था। सरकारी स्कूल में पढ़ती थी और पढ़ाई में आगे रहती थी। 16 साल की उम्र में मुम्बई के एक कपड़ा मिल में नौकरी से अपनी कमाई शुरू की थी जहां उन्हें रोजाना 2 रुपये मिलते थे । बुटिक और सिलाई में अपनी रुची को देखते हुए इसपर व्यवसाय करने के बारे में सोचा और ऋण लेकर अपना बुटिक खोल लिया। 22 साल की उम्र में फर्नीचर का व्यवसाय शुरू की। इसके बाद कल्पना ने स्टील फर्नीचर के एक व्यापारी से विवाह कर लिया इसप्रकार मुम्बई में उनकी जान– पहचान बढ़ी।

इसी जान-पहचान के बल पर कल्पना को पता चला कि 17 साल से बंद पड़ी कमानी 'ट्यूब्स' ('Kamani Tubes') को सुप्रीम कोर्ट ने उसके कामगारों से शुरू करने को कहा है. कंपनी के कामगार कल्पना से मिले और कंपनी को फिर से शुरू करने में मदद की अपील की। ये कंपनी कई विवादों के चलते 1988 से बंद पड़ी थी। कल्पना ने वर्करों के साथ मिलकर मेहनत और हौसले के बल पर 17 सालों से बंद पड़ी कंपनी में जान लगा दी। ये कल्पना सरोज का ही कमाल है कि आज कमानी ट्यूब्स 500 करोड़ से भी ज्यादा की कंपनी बन गयी है।

टीचर बनने का सपना और साइकिल के करियर पर अख़बार। इसी ख्वाहिश को पूरा करने के लिए झारखंड की रहने वाली भावना कुमारी जो रोज़ तड़के चार बजे अख़बार बेचने निकल पड़ती हैं और वो ये काम पिछले तीन साल से कर रही हैं। इनके माता-पिता नहीं है। अपना खर्चा चलाने के लिए ये काम शुरू की। वह एक महीने में करीब 4000 रुपये कमा लेती है। लड़कों के बीच ये काम करने वाली वह अकेली लड़की थी। उनका कहना है कि महिलाएं भी उनके इस काम को करने के लिए हिम्मत दिलाती थी। भावना को कोई काम छोटा नहीं लगता है। अभी वह शिक्षिका बनने के लिए बीएड कर रही है और उनका लक्ष्य भी साफ है और वह आगे और भी पढ़ाई करना चाहती है।

BEWARE OF UPI FRAUDS

Enter your PIN to receive the money

Always Remember !

MONEY REQUEST

From fake@acc

₹ 5,000

PAY

DECLINE

STOP before entering the PIN

PAUSE if PIN is asked for receiving money

ACT immediately by declining the request

UPI PIN IS ONLY REQUIRED FOR SENDING MONEY, NOT FOR RECEIVING IT

By CISO Office

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम)

UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)

सम्मान आपके विश्वास का — Honours Your Trust